माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रम (Syllabus) परीक्षा 2024

कक्षा-12वीं

विषयः- समाजशास्त्र SOCIOLOGY (29)

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार है–				
प्रश्नपत्र	समय (घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक
एकपत्र	3:15	80	20	100

भाग–1 भारतीय समाज

PART-I INDIAN SOCIETY

अध्याय–1 भारतीय समाज : एक परिचय (मूल्यांकन में सम्मिलित नहीं)

पाठ्यपुस्तक का पूर्व दर्शन

Chapter- 1 Introducing Indian Society (Non evaluative)

A Preview of this book

अध्याय–2 भारतीय समाज की जनसांख्यिकीय संरचना 08

जनसांख्यिकी सम्बन्धी कुछ सिद्धांत और संकल्पनाएं : माल्थस का जनसंख्या वृद्धि सिद्धांत, जनसांख्यिकीय संक्रमण का सिद्धान्त, सामान्य संकल्पनाएँ एवं संकेतक, भारत की जनसंख्या का आकार और संवृद्धि, जन्म दर, मृत्यु दर, भारतीय जनसंख्या की आयु संरचना, भारत में गिरता हुआ स्त्री–पुरुष अनुपात, साक्षरता, ग्रामीण–नगरीय विभिन्नताएं भारत की जनसंख्या नीति।

Chapter- 2 The Demographic Structure of Indian Society

Some Theories and Concepts Demographic:Malthus's theory of Population Growth, The Theory of Demographic Transition, Common Concepts and Indicators, Size and Growth of India`s Population, Birth Rate, Death Rate, Age Structure of The Indian Population, The Decline sex Ratio in India, Literacy, Rural-Urban Differences, Population Policy in India.

अध्याय–3 सामाजिक संस्थाएँः निरंतरता और परिवर्तन 06

जाति और जाति व्यवस्था, उपनिवेशवाद और जाति, जाति का समकालीन रूप, जनजातीय समुदाय, परिवार और नातेदारी

Chapter-3 Social Institutions : Continuity and change

Caste and caste system, colonialism and caste, caste in present, Trible Communities, family and kinship.

अध्याय–4 **बाजार एक सामाजिक संस्था के रूप में** 06

बाजार और अर्थव्यवस्था का समाजशास्त्रीय परिपेक्ष्य, छतीसगढ के जिला बस्तर के धोराई गांव का एक साप्ताहिक 'आदवासी बाजार', पूर्व उपनिवेशिक और उपनिवेशिक भारत में जाति आधारित बाजार एवं व्यापारिक तंत्र, बाजारों का सामाजिक संगठनः 'पारंपरिक व्यापारिक समुदाय', उपनिवेशवाद और नए बाजारों का अभिर्भाव, पूंजीवाद को एक सामाजिक व्यवस्था के रूप में समझना भूमण्डलीकरणः स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों का गठजोड़, उदारवादिता पर बहसःबाजार बनाम राज्य।

Chapter-4 **The Market as a Social Institution**

Sociological Perspectives on Markets and The economy, A Weekly Tribal market in Dhorai village, Bastar and Chhattisgarh, caste Based Market and Trading Network in Pre Colonial and Colonial India, Social Organisation of Market – Traditional business communities, Colonalism and emergence of new market, Understanding Capitalism as a Social System, Globalisation- Interlinking of Local, Regional, National and International markets, Debate on Liberalisation-market versus state.

अध्याय–5 **सामाजिक विषमता एवं बहिष्कार के स्वरूप** 07

सामाजिक विषमता और सामाजिक बहिष्कार, जाति एवं जनजाति, जातियों और जनजातियों के प्रति भेदभाव मिटाने के लिए राज्य और अन्य संगठनों द्वारा उठाए गए कदम, अस्पृश्यता, अन्य पिछड़ा वर्ग, आदिवासी संघर्ष, स्त्रियों की समानता और अधिकारों के लिए संघर्ष अन्यथा सक्षम व्यक्तियों का संघर्ष।

Chapter-5 **Patterns of Social Inequality and Exclusion**

Social Inequality and Social Exclusion, Caste and Tribe State and Non State Initiatives addressing caste and tribe discrimination, Untouchability, The Other Backward Classes, Adivasi Struggles, Struggle for Women's Equality and Rights, The struggles of the Disabled-

अध्याय–6 **सांस्कृतिक विविधता की चुनौतिया** 07

सामुदायिक पहचान का महत्व, समुदाय, राष्ट्र एवं राष्ट्र राज्य, सांस्कृतिक विविधता और भारत राष्ट्र–राज्य के रूप में, भारतीय संदर्भ में क्षेत्रवाद, धर्म से संबंधित मुद्दे और पहचाने, अल्पसंख्यकों के अधिकार और राष्ट्र निर्माण, सांप्रदायिकता, धर्मनिरपेक्षता एवं राष्ट्र राज्य, राज्य और नागरिक समाज।

Chapter-6 **The Challenges of Cultural Deversity**

The Impotance of Communty Identity, communities, Nations and the nation state, Cultural Diversity and India as a Nation State, Regionalism in the Indian context, religion related issues and identities, Minority Right and Nation Building, Communalism, secularism and the nation state, State and Civil Society.

अध्याय–7 **परियोजना कार्य के लिए सुझाव (मूल्यांकन में सम्मिलित नहीं)** 04

शोध पद्धतियों की बहुलता, छोटी शोध परियोजनाओं के लिए संभावित प्रकरण एवं विषय।

Chapter-7 **Suggestions Project work (Non evaluative)**

Variety of methods, possible Themes and Subjects for Small Research Projects.

भाग–2 भारत में सामाजिक परिवर्तन एवं विकास
PART-II SOCIAL CHANGE AND DEVELOPMENT IN INDIA

अध्याय–8 **संरचनात्मक परिवर्तन** 05

उपनिवेशवाद की समझ, नगरीकरण और औद्योगिकरण, स्वतंत्र भारत में औद्योगिकरण, स्वतंत्र भारत में नगरीकरण।

Chapter-8 Structural Change

Understanding Colonialism Capitalism, Industrialization and Urbanization, Industrialization in Independent India, Urbanization In Independent India.

अध्याय–9 **सांस्कृतिक परिवर्तन** 06

उन्नीसवीं व बीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में हुए सामाजिक सुधार आंदोलन, विभिन्न प्रकार के सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न प्रकार संस्कृतीकरण, पश्चिमीकरण, आधुनिकीकरण और पंथनिरपेक्षीकरण।

Chapter-9 Cultural Change

Social Reform Movements in the 19th and early 20th century, Different kinds of social change, Sanskriti sation, Westernization, Modernization and Secularization.

अध्याय–10 **संविधान एवं सामाजिक परिवर्तन** 06

संवैधानिक मानदंड और सामाजिक न्याय : सामाजिक न्याय सशक्तता की व्याख्या, पंचायती राज और ग्रामीण सामाजिक रूपांतरण की चुनौतियाँ, पंचायतों की शक्तियाँ और उत्तरदायित्व, जनजाति क्षेत्रों में पंचायती राज, लोकतांत्रिकरण और असमानता, लोकतांत्रिक राजनीति में राजनीतिक दल, दबाव एवं हित समूह।

Chapter-10 The Constitution and Social Change

Constitutional Norms and Social Justice : Interpretation to Aid Social Justice, The Panchayati Raj and The Challenges of Rural Social Transformation, Powers and Responsibilities of Panchayats Panchayati Raj in Tribal Areas, Democratization and Inequality, Political Parties, Pressure and Interest Group in democratic politics.

अध्याय–11 **ग्रामीण समाज में विकास एवं परिवर्तन** 06

कृषिक संरचना : ग्रामीण भारत में जाति और वर्ग, भूमि सुधार, के परिणाम, हरित क्रांति और इसके सामाजिक परिणाम, स्वतन्त्रता के बाद ग्रामीण समाज में परिवर्तन, मजदूरों का संचार (सरकुलेशन), भूमंडलीकरण, उदारीकरण तथा ग्रामीण समाज।

Chapter-11 Change and Development in Rural Society

Agrarian Structure : Caste & class in Rural India, Inpet of Land Reforms, The Green revolution and its social consequences, Transformation in Rural Society, After independence Circulation of labour, Globalization, Liberalization and Rural Society.

अध्याय–12 **औद्योगिक समाज में परिवर्तन और विकास** 06

औद्योगिक समाज की कल्पना, भारत में औद्योगीकरण , लोग काम किस तरह कर पाते हैं, काम को किस तरह किया जाता हैं, कार्यावस्थाएं, घरों में होने वाला काम, हड़ताले एवं मजदूर संघ।

Chapter-12 Change and Development in Industrial Society

Images of Industrial society, Industrialization in India, How People find Jobs, How is Work Carried out, working conditions, Home Based work, strikes and unions.

अध्याय–13 **भूमण्डलीकरण और सामाजिक परिवर्तन** 05

क्या भूमण्डलीकरण के अंतः संबंध विश्व और भारत के नए हैं? भूमण्डलीकरण की समझ, भूमण्डलीकरण के विभिन्न आयामः आर्थिक आयाम, भूमण्डलीय संचार, भूमण्डलीकरण और श्रम, भूमण्डलीकरण और राजनीतिक परिवर्तन, भूमण्डलीकरण और संस्कृति, भूमण्डलीकरण और रोजगार, अनेक स्वदेशी शिल्प, साहित्यिक परम्पराओं और ज्ञान व्यवस्थाओं को खतरा।

Chapter-13 Globalization and Social Change

Are Global Inter collections New to World and to India, Understanding globalization, The Different Dimensions of Globalization: Economic, Global Communications, Globalization and Labour, Globalization and Political Changes, Globalization and Culture, Globalization and Employment, Theart to many Indigenous Craft and Literary Traditions and Knowledge Systems.

अध्याय–14 **जनसंपर्क साधन और जनसंचार** 06

आधुनिक मास मीडिया का प्रारंभ, स्वतंत्र भारत में मास मीडिया, भूमण्डलीकरण और मीडिया– प्रिंटमीडिया, टेलीविजन, रेडियो।

Chapter-14 Mass Media and Communications

The beginnings of Modern mass media, Mass Media in Independent India, Globalization and the media-Print media, Television, Radio.

अध्याय–15 **सामाजिक आंदोलन** 06

सामाजिक आंदोलन के लक्षण, समाजशास्त्र तथा सामाजिक आन्दोलन, सामाजिक आंदोलनों के प्रकार, पारिस्थितिकीय आंदोलन, वर्ग–आधारित आंदोलन, जाति आधारित आन्दोलन, जनजातीय आन्दोलन, महिलाओं का आन्दोलन।

Chapter-15 Social Movements

Features of Social Movement, Sociology and Social Movements , Types of Social Movements, Ecological Movements. Class Based Movements, Caste Based Movement, The Tribal Moment, The Women's Movement.

विशेष निर्देश–

1. सत्रांक के 20 अंकों में से 5 अंक प्रोजेक्ट कार्य हेतु निर्धारित है।
2. प्रोजेक्ट समाजशास्त्र विषय में सम्मिलित इकाईयों के आधार पर स्थानीय परिस्थिति के अनुसार तैयार कराया जाये।

3. प्रोजेक्ट प्रतिवेदन के मुख्य बिन्दु निम्नानुसार बनाये जा सकते हैं– शीर्षक, प्रोजेक्ट चयन का उद्देश्य प्रोजेक्ट की रूपरेखा व परिसीमाएँ आवश्यक सामग्री, कार्य विधि, तथ्यों का संकलन, वर्गीकरण, सारणीयन व विश्लेषण, निष्कर्ष/मूल्यांकन उपयोगिता संदर्भ सूची

4. प्रोजेक्ट के मूल्यांकन के निम्नांकित आधार बिन्दु हो सकते हैं – शीर्षक का चयन एवं आवश्यकता, रूपरेखा एवं क्रियान्वयन प्रयोग, सर्वेक्षण, केस स्टडी, चार्ट, मानचित्र, मॉडल, भ्रमण प्रतिवेदन संकलन, साक्षात्कार आदि प्रोजेक्ट निष्कर्ष एवं भाषा की उपयुक्तता। प्रोजेक्ट का मूल्यांकन समाजशास्त्र शिक्षक से ही करायें जिसने स्नातकोत्तर समाजशास्त्र विषय में किया हुआ हो।

निर्धारित पुस्तकें–

1. भारतीय समाज एन.सी.ई.आर.टी. से प्रतिलिप्याधिकार अन्तर्गत प्रकाशित

   Indian Society & NCERT Book Published under Copyright.

2. भारत में सामाजिक परिवर्तन एवं विकास एन.सी.ई.आर.टी. से प्रतिलिप्याधिकार अन्तर्गत प्रकाशित

   Social Change and Development in India Copyright NCERT Book Published under.